International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

किशोरावस्था के छात्रों की समस्याओं पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

बेनेदिक्ता बड़ा
शोधार्थी, शिक्षा संकाय, आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, भोपाल

डॉ. आशीष कुमार बाजपेयी
प्राध्यापक, शिक्षा संकाय, आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, भोपाल

प्रस्तुत शोध पत्र में किशोरावस्था के छात्रों की समस्याओं पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श के रूप में 100 छात्रों का चयन कर उन पर किशोरावस्था समस्या मापनी एवं पारिवारिक वातावरण मापनी को प्रशासित कर किशोरावस्था के छात्रों की विभिन्न समस्याओं पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार किशोरावस्था के छात्रों की संवेगात्मक/व्यावसायिक समस्याओं पर पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव पाया गया तथा निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों में उपरोक्त समस्याएं, उच्च पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों की तुलना में अधिक पाई गयीं जबकि किशोरावस्था के छात्रों की सामाजिक समस्या पर पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

शिक्षा व्यक्तित्व के विकास का मूल साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास, ज्ञान व कला कौशल में वृद्धि एवं व्यवहार में परिवर्तन करके सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक का निर्माण किया जाता है। जन्म के समय बालक पशुवत आचरण करता है, उस समय वह अपनी मूल प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर कार्य करता है, शिक्षा उसकी इन प्रवृत्तियों का उचित मार्गदर्शन करके उसे परिपक्वता प्रदान करती है, उसके व्यवहार को, उसके आचरण कों, उसके क्रियाकलापों को उचित और समाजोपयोगी बनाती है। वास्तव में शिक्षा का आरंभ उसी क्षण हो जाता है, जब बालक वातावरण से सामंजस्य स्थापित करने का प्रयत्न प्रारम्भ कर देता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

टी. रेमाण्ट के अनुसार – ''शिक्षा मानव जीवन के विकास की वह प्रक्रिया है जो शैशवावस्था से लेकर प्रौढ़ावस्था तक चलती रहती है, अर्थात शिक्षा विकास का वह क्रम है जिससे मानव अपने आपको आवश्यकतानुसार भौतिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक वातावरण के अनुकूल बना लेता है।''

बालक का जन्म परिवार में होता है। पारिवारिक जीवन का प्रभाव बालक के व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है, परिवार में सदस्यों जैसे माता–पिता के संबंध, भाई–बहनों के आपसी संबंध, परिवार में अन्य सदस्यों की उपस्थिति आदि ऐसे कारक होते है जिनका बालक के व्यक्तित्व पर सीधा प्रभाव पड़ता है। वास्तव में बालक के विकास व व्यक्तित्व के दिशा निर्धारण की भूमिका परिवार द्वारा ही संपादित कि जाती है व उसके भविष्य का निर्माण प्रारंभ होता है।

प्रस्तुत शोधकार्य में किशोरावस्था के विद्यार्थियों की समस्याओं पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना अत्यंत सामयिक प्रतीत होता है, क्योंकि वातावरण ही व्यक्तित्व के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन करता है। यदि पारिवारिक वातावरण न केवल भौतिक सुख–सुविधाओं को प्रदान करने वाला हों अपितु मनो–सामाजिक दृष्टिकोण से पोषण करने वाला हो, तो यह किशोरों को समस्याग्रस्त होने से बचाकर, उनके उचित समायोजन में सहायता कर सकता है।

प्रस्तुत शोध से संबंधित पूर्व में भी कुछ शोध कार्य किये गये हैं जैसे – **शाह, वीना (1989)** ने किशोरावस्था को विद्यार्थियों के गृह समायोजन पर पारिवारिक परिवेश का अध्ययन किया तथा निष्कर्षतः पाया कि सामाजिक–आर्थिक स्थिति को नियंत्रित करने पर संतुष्टिजनक पारिवारिक वातावरण वाले किशोरों का गृह समायोजन असंतोषजनक पारिवारिक परिवेश वाले किशोरों से बेहतर पाया गया, छात्राओं के गृह समायोजन के मामले में उनके पारिवारिक परिवेश की महत्वपूर्ण भूमिका नहीं पाई गई। पारिवारिक परिवेश तथा गृह समायोजन के मध्य धनात्मक तथा सार्थक सहसंबंध पाया गया। **पाधी, जे. (1989)** ने अपने अध्ययन में पाया कि परिवार का

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सामाजिक–मनोवैज्ञानिक वातावरण का छात्रों के मानसिक विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पाया जाता है। साथ ही अत्यधिक देखभाल, चिंता, अत्यधिक लाड़–प्यार किशोरों को निपुण, योग्य बनने में बाधा पहुंचाता है। **मंजुबनी (1990)** ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पारिवारिक तथा विद्यालयीन वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया तथा निष्कर्षतः पाया कि पारिवारिक वातावरण का मानसिक स्वास्थ्य के तीनों घटकों के निर्धारण में मुख्य सार्थक योगदान पाया गया। **शाह, वीना (1991)** ने किशोरों के विद्यालयीन समायोजन पर उनके पारिवारिक परिवेश के प्रभाव का अध्ययन किया तथा निष्कर्षतः पाया कि जिन विद्यार्थियों का पारिवारिक परिवेश संतुष्टि जनक नहीं था उनका विद्यालयीन समायोजन उन विद्यार्थियों की तुलना में अच्छा पाया गया जिनका पारिवारिक वातावरण संतोषजनक था। छात्रों के विद्यालयीन समायोजन तथा पारिवारिक परिवेश में धनात्मक तथा छात्राओं में ऋणात्मक सह–संबंध पाया गया। **हुसैन (2004)** ने विद्यार्थियों के पारिवारिक समायोजन को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष स्वरूप पाया गया कि पारिवारिक समायोजन पर पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव पाया जाता है। **बाजपेयी; शुक्ला एवं शर्मा (2015)** ने किशोरावस्था के विद्यार्थियों की समस्याओं पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया। इस अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ की किशोरावस्था के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों के मध्य संवेगात्मक, सामाजिक, व्यावसायिक समस्या में सार्थक अंतर पाया गया तथा निम्न पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों में, उच्च पारिवारिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की तुलना में अधिक संवेगात्मक, सामाजिक, व्यावसायिक समस्याएं पाई गईं। **पाठक, स्वाती एवं बाकलीवाल, ममता (2017)** ने किशोरावस्था की छात्राओं की समस्याओं पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया। इस अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि किशोरावस्था की छात्राओं की संवेगात्मक/सामाजिक/व्यावसायिक समस्याओं पर पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव पाया गया तथा निम्न पारिवारिक वातावरण वाली छात्राओं में उपरोक्त समस्याएं, उच्च पारिवारिक वातावरण वाली छात्राओं की तुलना में अधिक पाई गयी।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

उपर्युक्त अध्ययनों से शोधकर्ता ने निष्कर्ष निकाला की किशोरावस्था के विद्यार्थियों की समस्याओं पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना आवश्यक है, जिससे की किशोरों की समस्याऐं जानकर उनका निराकरण किया जा सके।

उद्देश्य :–

1. किशोरावस्था के छात्रों की संवेगात्मक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
2. किशोरावस्था के छात्रों की सामाजिक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
3. किशोरावस्था के छात्रों की व्यावसायिक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पना :–

1. किशोरावस्था के छात्रों की संवेगात्मक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।
2. किशोरावस्था के छात्रों की सामाजिक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।
3. किशोरावस्था के छात्रों की व्यावसायिक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

उपकरण :–

1. किशोरावस्था समस्या मापनी – आशीष बाजपेयी, हरगोविंद शुक्ला एवं अमित गुप्ता
2. पारिवारिक वातावरण मापनी – डॉ. (श्रीमति) मीनू अग्रवाल

विधि :–

सर्वप्रथम होशंगाबाद जिले में स्थित दो माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया तथा इन विद्यालयों की कक्षा दसवीं में अध्ययनरत् 100 छात्रों का चयन साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

कर उन पर 'किशोरावस्था समस्या मापनी' एवं 'पारिवारिक वातावरण मापनी' का प्रशासन किया गया। पारिवारिक वातावरण के आधार पर छात्रों को उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण समूह में विभाजित कर किशोरावस्था समस्या मापनी के तीनों क्षेत्रों का अलग अलग फलांकन किया गया। प्राप्तांकों के आधार पर मास्टर शीट तैयार की गई। मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात परीक्षण के द्वारा आंकड़ों का विश्लेषण किया गया तथा प्राप्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त किये गये।

परिणामों का विश्लेषण :–

परिकल्पना – 1 : किशोरावस्था के छात्रों की संवेगात्मक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

तालिका क्रमांक – 01

किशोरावस्था के छात्रों की संवेगात्मक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव संबंधी तुलनात्मक परिणाम

पारिवारिक वातावरण की प्रकृति	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	सार्थकता
उच्च	50	9.58	2.97	2.87	0.01 स्तर पर सार्थक
निम्न	50	11.36	3.21		

स्वतंत्रता के अंश – 98 0.01 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 2.63

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले किशोरावस्था के छात्रों की संवेगात्मक समस्या के मध्यमान क्रमशः 9.58 व 11.36 पाये गये जिनके मध्य 1.78 का अंतर है, यह अंतर सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक है क्योंकि प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 2.87 स्वतंत्रता के अंश 98 पर सार्थकता के 0.01 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 2.63 की अपेक्षाकृत अधिक है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

अतः इन परिणामों के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि किशोरावस्था के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों के मध्य संवेगात्मक समस्या में सार्थक अंतर पाया गया तथा निम्न पारिवारिक वातावरण वाले किशोरावस्था के छात्रों में, उच्च पारिवारिक वातावरण वाले किशोरावस्था के छात्रों की तुलना में अधिक संवेगात्मक समस्याएं पाई गयीं, अर्थात् किशोरावस्था के छात्रों की संवेगात्मक समस्या पर पारिवारिक वातावरण (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव पाया गया।

अतः उपरोक्त परिणामों के परिप्रेक्ष्य में पूर्व में ली गई परिकल्पना ''किशोरावस्था के छात्रों की संवेगात्मक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा'' अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना – 2 : किशोरावस्था के छात्रों की सामाजिक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

तालिका क्रमांक – 02

किशोरावस्था के छात्रों की सामाजिक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव संबंधी तुलनात्मक परिणाम

पारिवारिक वातावरण की प्रकृति	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	सार्थकता
उच्च	50	7.34	2.59	1.33	0.05 स्तर पर असार्थक
निम्न	50	8.06	2.77		

स्वतंत्रता के अंश – 98 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 1.98

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले किशोरावस्था के छात्रों की सामाजिक समस्या के मध्यमान क्रमशः 7.34 व 8.06 पाये गये जिनके मध्य 0.72 का अंतर है, यह अंतर सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक नहीं है

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

क्योंकि प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 1.33 स्वतंत्रता के अंश 98 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.98 की अपेक्षाकृत कम है।

अतः इन परिणामों के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि किशोरावस्था के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों के मध्य सामाजिक समस्या में सार्थक अंतर नहीं पाया गया, अर्थात् किशोरावस्था के छात्रों की सामाजिक समस्या पर पारिवारिक वातावरण (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

अतः उपरोक्त परिणामों के परिप्रेक्ष्य में पूर्व में ली गई परिकल्पना ''किशोरावस्था के छात्रों की सामाजिक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा'' स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना – 3 : किशोरावस्था के छात्रों की व्यावसायिक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

तालिका क्रमांक – 03

किशोरावस्था के छात्रों की व्यावसायिक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण के प्रभाव संबंधी तुलनात्मक परिणाम

पारिवारिक वातावरण की प्रकृति	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	सार्थकता
उच्च	50	5.92	1.79	2.35	0.05 स्तर पर सार्थक
निम्न	50	6.86	2.17		

स्वतंत्रता के अंश – 98 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 1.98

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले किशोरावस्था के छात्रों की व्यावसायिक समस्या के मध्यमान क्रमशः 5.92 व 6.86 पाये गये जिनके मध्य 0.94 का अंतर है, यह अंतर सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक है क्योंकि

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 2.35 स्वतंत्रता के अंश 98 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.98 की अपेक्षाकृत अधिक है।

अतः इन परिणामों के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि किशोरावस्था के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले छात्रों के मध्य व्यावसायिक समस्या में सार्थक अंतर पाया गया तथा निम्न पारिवारिक वातावरण वाले किशोरावस्था के छात्रों में, उच्च पारिवारिक वातावरण वाले किशोरावस्था के छात्रों की तुलना में अधिक व्यावसायिक समस्याएं पाई गयीं, अर्थात् किशोरावस्था के छात्रों की व्यावसायिक समस्या पर पारिवारिक वातावरण (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव पाया गया।

अतः उपरोक्त परिणामों के परिप्रेक्ष्य में पूर्व में ली गई परिकल्पना ''किशोरावस्था के छात्रों की व्यावसायिक समस्या पर उनके पारिवारिक वातावरण का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा'' अस्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :–

1. किशोरावस्था के छात्रों की संवेगात्मक समस्या पर पारिवारिक वातावरण (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव पाया गया तथा निम्न पारिवारिक वातावरण वाले किशोरावस्था के छात्रों में, उच्च पारिवारिक वातावरण वाले किशोरावस्था के छात्रों की तुलना में अधिक संवेगात्मक समस्याएं पाई गयीं।
2. किशोरावस्था के छात्रों की सामाजिक समस्या पर पारिवारिक वातावरण (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।
3. किशोरावस्था के छात्रों की व्यावसायिक समस्या पर पारिवारिक वातावरण (उच्च एवं निम्न) का सार्थक प्रभाव पाया गया तथा निम्न पारिवारिक वातावरण वाले किशोरावस्था के छात्रों में, उच्च पारिवारिक वातावरण वाले किशोरावस्था के छात्रों की तुलना में अधिक व्यावसायिक समस्याएं पाई गयीं।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 1, January - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

// संदर्भ ग्रंथ सूची //

1. अस्थाना, मधु एवं वर्मा, किरणबाला (1996) : **व्यक्तित्व मनोविज्ञान,** मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, प्रथम संस्करण, पृष्ठ क्रमांक 86
2. अस्थाना, विपिन (1999) : **मनोविज्ञान एवं शिक्षा में मूल्यांकन,** विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, नवीनतम् संस्करण
3. भार्गव, महेश (1997) : **आधुनिक मनोविज्ञान परीक्षण एवं मापन,** हर प्रसाद भार्गव प्रकाशन, कचहरी घाट, आगरा, ग्यारहवां संस्करण
4. भार्गव, ऊषा (1993) : **किशोर मनोविज्ञान,** राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, द्वितीय संस्करण
5. भटनागर, सुरेश (2007) : **शिक्षा मनोविज्ञान,** आर. लाल बुक डिपो, निकट गर्वनमेन्ट कॉलेज, मेरठ, नवीनतम संस्करण, पृष्ठ क्रमांक 190
6. वालिया, जे.एस. (2005) : **शिक्षा मनोविज्ञान की बुनियादें,** पाल पब्लिशर्स, जालंधर
7. **बाजपेयी, आशीष, शुक्ला, हरगोविन्द एवं शर्मा, भारती (2015)** ''किशोरावस्था के विद्यार्थियों की समस्याओं पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन'', *सामाजिक शोध योजना, वाल्यूम–III, अंक–IV, अक्टूबर (2015), पेज नं. 83–89*
8. **पाठक, स्वाती एवं बाकलीवाल, ममता (2017)** ''किशोरावस्था की छात्राओं की समस्याओं पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन'', *स्वदेशी रिसर्च फाउन्डेशन, वॉल्युम 4, नवम्बर 2017, पेज नम्बर 191–194*
9. **Hossain, Akhtar A.B.M. (2004)** "Factors influencing home adjustment of students", *Asian journal of psychology and education, vol. 37, No.7-8, 23-27.*
10. **Manjuvani, E. (1990)** "Influence of home and school environment on the mental health status of children", *Ph.D., Home Sc., Sri Venkateswara University, In Fifth Survey of Educational Research (1988-92), Vol. - II, Pg. No. 968.*
11. **Padhi, J. (1989)** "Home environment, parent - child relationship and children's competence during adolescence", *Ph.D., Home Sc., Utkal Unvi., In Fifth Survey of Educational Research (1988-92), Vol. - II, Pg. No. 1018.*
12. **Shah, Beena (1989)** "Home Adjustment of adolescent students : Effect of family climate", *Indian Educational Review, Vol., 24 (3), 125-132, In Fifth Survey of Educational Research (1988-92), Vol. - II, Pg. No. 1022.*
13. **Shah, Beena (1991)** "Adolescents School adjustment : The effect of family climate", *Indian Educational Review, Vol., 26 (1), 88-94, In Fifth Survey of Educational Research (1988-92), Vol. - II, Pg. No. - 974.*